



पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने वैश्विक भारतीय ऊर्जा मंच - सेराविक को संबोधित किया

भारत सबसे तेजी से ऊभरता हुआ ऊर्जा बाजार है : श्री प्रधान

Posted On: 09 OCT 2017 7:31PM by PIB Delhi

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने आज नई दिल्ली में सेरावीक के भारत ऊर्जा मंच को संबोधित किया।

मंच को संबोधित करते हुए, श्री प्रधान ने कहा कि भारत आने वाले दो दशकों में दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ता हुआ ऊर्जा बाजार बना रहेगा। ऐसा बढ़ती हुई पहुंच और बेहतर जीवन शैली के कारण हो रहा है। प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में भी बढ़ोतरी होगी। भारत वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक प्रभावशाली खरीदार होगा। भारत की आयात (80% तेल और 50% गैस) पर निर्भरता को देखते हुए - भारत वैश्विक रुझानों पर लगातार नजर रख रहा है और विशेषज्ञों से इन रुझानों के बारे में सीख रहा है।

उन्होंने कहा कि विशेषकर सीरिया और आईएसआईएस में क्या घटित हो रहा है, कुर्दिस्तान जनमत संग्रह में क्या हो रहा है, कतर के खिलाफ सऊदी ब्लॉक की स्वीकृति की स्थिति, वेनेजुएला में राजनीतिक स्थिति के बारे में क्या घटित हो रहा है, इन भू-राजनीतियों के महत्वपूर्ण पहलु को समझना है। ये सभी ऐसी स्थितियां हैं जिनका तेल के मूल्यों पर प्रभाव पड़ेगा और हमारे उपभोक्ताओं, हमारे राजकोषीय घाटे और हमारी अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव पड़ेगा।

श्री प्रधान ने कहा, विश्व आज एक प्रमुख संक्रमण के चौराहे पर है। ऐसा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अपनाने के संबंध में है। इस बारे में विश्वास की यह भावना है कि संभवतः समय ही इस बारे में बताएगा कि किस प्रकार ये मुद्दे नवीकरणीय प्रौद्योगिकी के रूप में सौर ऊर्जा भंडारण को सक्षम बनाने के मामले में आकार ग्रहण करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार ने हेल्प नीति के साथ धारा के विपरीत दिशा में लाइसेंसिंग व्यवस्था की पूरी तरह से मरम्मत करने के लिए कई नीतिगत उपाय किए हैं। सरकार उपलब्ध भौगोलिक जानकारी तक इच्छुक निवेशकों की पूरी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एनडीआर के साथ आगे आई है।

उन्होंने कहा कि भारतीय पेशेवर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बैंकिंग और चिकित्सा के क्षेत्र में पूरी दुनिया में सबसे आगे हैं। इसी स्तर की भागीदारी की वैश्विक तेल और गैस उद्योग में भी उम्मीद की जा रही है। उन्होंने यह उम्मीद जाहिर की कि अगले दो दिनों के दौरान तेल बाजार में प्रवृत्तियों के बारे में अधिक विचार-विमर्श किया जाएगा।

वीके/आईपीएस/सीएस - 4097

(Release ID: 1505397) Visitor Counter : 10

